A-0155

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MAHL-501

M.A. HINDI (MAHL)

हिन्दी साहित्य का इतिहास और आदिकालीन कविता (भाग एक)

1st Semester Examination, Session December 2024

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. हिन्दी साहित्य के इतिहास के परिपेक्ष्य में साहित्य की प्रमुख समस्याओं का विवेचन कीजिए।

2. आदिकाल की पृष्ठभूमि स्पष्ट करते हुए आदिकाल की प्रमुख रचनाओं का परिचय दें।

3. आदिकाल की साहित्यिक परिस्थितियों का विवेचन कीजिए।

4. हिन्दी साहित्य के आदिकालीन काव्य का समीक्षात्मक विवेचन कीजिए।

5. हिन्दी साहित्य के इतिहास का संक्षिप्त परिचय देते हुए शुक्ल पूर्व हिन्दी के प्रमुख साहित्यहासों का परिचयात्मक विवेचन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. हिन्दी साहित्य के इतिहास के संदर्भ में काल विभाजन की समस्याओं पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

2. अपभ्रंश काव्यधारा का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

3. नाथ साहित्य के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

4. सिद्ध काव्य की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

5. आदिकालीन काव्य पद्धति का उल्लेख कीजिए।

6. जैन काव्य का महत्व स्पष्ट कीजिए।

7. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की हिन्दी साहित्य में क्या भूमिका है ? स्पष्ट कीजिए।

8. सगुण भक्ति धारा की दोनों शाखाओं का परिचय दीजिए।

****